ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–72
दिनांक– मंगलवार, 23 सितम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.1 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 73.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.9 एवं दोपहर में 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 1.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 सितम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24 से 28 सितम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित की अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। अगले 24 घंटो में बेगूसराय के जिलों के 1–2 स्थानों पर हलकी वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 70–75 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विषेश प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक–एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10–15 किलोग्राम की दर से आसमान साफ रहने पर भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस–पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। अगात रोपी गई बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी या क्वीनालफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0मी0 प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करे।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन करें। कीट एवं रोग व्याधि की निगरानी फसल में नियमित रुप से करें।
- मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें। नर्सरी से खरपतवार समय–समय पर निकालते रहें ताकि स्वस्थ पौध मिल सकें।
- विगत माह रोपी गई फूलगोभी में आवश्यकतानुसार निकौनी करे एवं फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड 48 इ0सी0 दवा एक मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
- दुधारु पशुओं में बरसात के अन्त में यकृत कृमि (लिवर फ्लुक) एवं एम्फीस्टोम का संक्रमण खासकर नदी या तालाब के पानी से संक्रमित चारा खाने से बहुत अधिक होता है। इससे वचाव के लिए ऑक्सीक्लोजानाईड एवं लिबामिजोल 100 मि0ली0 खाली पेट पशुओं को अवश्य पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी